>

Title: Problems being faced by Sugarcane growers in Uttar Pradesh.

श्री मुंशी राम (बिजनौर) : सभापति महोदय, पश्चिम उत्तर प्रदेश के गन्ना उत्पादन करने वाले किसानों की महत्वपूर्ण समस्या पर बोलने के लिए आपने मुझे समय दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : प्रोसीडिंग्स में कुछ भी नहीं जा रहा है। आप इसके लिए अलग से नोटिस दीजिए। आपको बाद में सुन लिया जायेगा। ऐसे कुछ नहीं सुना जायेगा।

...(व्यवधान) *

सभापति महोदय : आजमी साहब, रिकार्ड में कुछ भी नहीं जा रहा है। आप अपना स्वास्थ्य मत खराब करिये।

...(व्यवधान) *

सभापति महोदय : गवर्नमैंट को कम्पेल नहीं किया जा सकता। आप लोग उनकी बातों से एसोसियेट हो गये हैं। आपका नोटिस नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : आजमी जी, आप अपना स्वास्थ्य मत खराब कीजिए क्योंकि रिकार्ड में कुछ भी नहीं जा रहा है।

â€¦(व्यवधान)

श्री इलियास आज़मी (शाहाबाद) : सभापति महोदय, मैं मुखालिफत करता हूं और वाकआउट करता हूं। ...(व्यवधान)

13.02 hrs.

(Shri Ilyas Azmi then left the House)

* Not recorded

श्री मुंशी राम : सभापति महोदय, पश्चिम उत्तर प्रदेश गन्ने का उत्पादन करने में पहला-दूसरा स्थान रखता है। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : मुंशी राम जी, बहुत महत्वपूर्ण विषय उठा रहे हैं इसलिए आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : मुंशी राम जी, बहुत अच्छी बात उठा रहे हैं। आप बैठ जाइये। आसन से किसी को मजबूर नहीं किया जा सकता। आपने अपनी बात कह दी है इसलिए आप बैठ जायें। आप एक वरिष्ठ सदस्य हैं, आप बैठ जाइये। आप दूसरे सदस्यों को भी अपनी बात कहने का अवसर दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : मल्होत्रा जी, आप अलग से नोटिस दीजिए। यह आज नहीं होगा।

â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप बैठिये। आप दूसरों को भी अपनी बात कहने दीजिए। माननीय सदस्य तीन दिन धरने पर बैठे हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुंशी राम : सभापति महोदय, मैं पांच दिन धरने पर बैठा हूं।

...(व्यवधान)

सभापति महोदय : माननीय सदस्य पांच दिन धरने पर बैठे हैं। मुंशी राम जी, आप अपनी बात कहिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुंशी राम : सभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। देश में चीनी का उत्पादन कराने में पश्चिम उत्तर प्रदेश देश में पहला-दूसरा स्थान रखता है। पश्चिम उत्तर प्रदेश के किसान 80 प्रतिशत से ज्यादा गन्ने की पैदावार करते हैं और देश को चीनी की उपलब्धता कराते हैं। लेकिन इस वर्ष गन्ना उत्पादन करने वाले किसान बहुत बड़े संकट से जूझ रहे हैं। आज उनकी फसल का कोई भी खरीददार नहीं है। वर्ष 2006-07 में, जो पिछले आठ-दस महीने का उनका गन्ने का

भुगतान था, वह प्राइवेट मिल मालिकों द्वारा आज तक नहीं दिया गया। इस समय उनकी फसलें खड़ी हैं। जो चीनी मिलों को 15 अक्तूबर तक चली जानी चाहिए थी, वे अभी तक 100 परसेंट चलनी शुरू नहीं हुई। इस कारण उनकी खड़ी फसल का आज कोई भी खरीददार नहीं है। इस सदन में 20 अगस्त को प्रश्न काल के दौरान मैंने माननीय कृषि मंत्री जी से सवाल किया था कि आपने स्वीकार किया है कि गन्ने का उत्पादन 10 प्रतिशत से ज्यादा हुआ है और जो गन्ने की पैदावार बढ़ी है, उसकी आप किस तरह से खरीददारी करेंगे? उस समय माननीय कृषि मंत्री जी ने इस सदन में वायदा किया था कि हम चीनी मिलों को अतिशीघ्र चलायेंगे। लेकिन भारत सरकार और प्रदेश सरकार उसमें नाकामयाब रही हैं। इसके लिए मुझे खुद 15 तारीख से लेकर 19 तारीख, यानी पांच दिन तक भूख हड़ताल पर बैठना पड़ा ताकि किसान आत्महत्या न करें। वे अपने संकट में यह महसूस करें कि हमारे जन-प्रतिनिधि हमारी लड़ाई को लड़ रहे हैं और कोई गलत निर्णय न लें।

मैं इस सदन के माध्यम से कहना चाहता हूं कि आज उनके खेत खाली नहीं हैं। उन्होंने इस समय गेहूं की बुआई करनी थी। इससे गेहूं की पैदावार भी प्रभावित हुई है। लिहाजा मैं सदन के माध्यम से यह मांग करता हूँ कि गन्ने की जो अधिक पैदावार हुई, उसकी खरीददारी सरकार अपने स्तर से प्राइवेट चीनी मिलों के माध्यम से करवाए।

सभापति महोदय : सरकारी चीनी मिलों से खरीद करवाई जाए।

श्री मुंशी राम : महोदय, किसानों की फसल के लिए वर्ष 2007 का भुगतान अविलंब कराया जाए।

इसके साथ ही मैं यह भी निवेदन करना चाहूंगा कि प्राइवेट चीनी मिल मालिक हमेशा एक यूनिटी बनाकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों का शोषण करना चाहते हैं। इसलिए मेरी भारत सरकार से यह मांग है कि प्रत्येक जिले में दो-दो चीनी मिलें भारत सरकार को लगानी चाहिए जिससे भविष्य में इस प्रकार से प्राइवेट चीनी मिल मालिकों द्वारा किसानों का शोषण न किया जा सके। धन्यवाद।

सभापति महोदय : श्री एम शिवन्ना, जो कि कर्नाटक में गन्ना किसानों की फसल के मूल्य का भुगतान न किए जाने का मामला उठाना चाहते हैं, को हम श्री मुंशीराम जी की बात के साथ ही एशोशिएट कर लेते हैं क्योंकि ये एक समान विषय हैं।

SHRI M. SHIVANNA (CHAMRAJANAGAR): Sir, please allow me to speak.

MR. CHAIRMAN : Several important issues are here. How can I accommodate you?

...(*Interruptions*)

SHRI M. SHIVANNA : Sir, it is a burning issue in Karnataka.

MR. CHAIRMAN : Everywhere it is a burning issue. But how can I accommodate you?

...(*Interruptions*)